

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

## प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. रिक्त स्थान भरें :-

- i ----- उत्तर कालामृत के लेखक हैं।
- ii कल्याण वर्मा की कृति का नाम ----- है।
- iiii जन्म पत्रिका में यह स्थान अर्थ स्थान कहलाते हैं -----।
- iv संपात प्रति वर्ष ----- अंश से सरकता है।
- v ----- कर्म दृढ़, अदृढ़ व दृढ़ादृढ़ कर्म में विभाजित होते हैं।
- vi खगोलिय ज्योतिष ----- स्कन्ध की एक शाखा है।
- vii संचित कर्म ----- के नाम से जाने जाते हैं।
- viii कर्म विपाका में ----- की चर्चा है।
- xi शिक्षा एक ----- का भाग है।
- x ----- कर्म जातक इस जन्म में भोगता है।

2. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

- क) श्रुति व स्मृति
- ख) ज्योतिष शास्त्र की किन्हीं दो काल निर्धारण की तकनीकों के नाम लिखें।
- ग) संहिता
- घ) शकुन

3. एक अच्छे ज्योतिषी होने की योग्यता की व्याख्या कीजिए।

4. कर्मों की विभिन्न श्रेणियों के बारे में बताइये।

5. ज्योतिष क्यों पढ़ना चाहिए? इसके क्या उपयोग हैं?

### भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. कब व कैसे ग्रह वक्री होते हैं? चित्र द्वारा समझाएं।

अथवा

चन्द्रमा की विभिन्न कलाओं पर चर्चा करें।

7. किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

- |                  |              |
|------------------|--------------|
| क. भचक्र         | ख. संपात     |
| ग. आकाशीय विषुवत | घ. सायन अवधि |
| च. क्रांति वृत्त |              |

8. सूर्य ग्रहण कितने प्रकार का होता है? सूर्य ग्रहण का चित्र बनाएं।

9. किन्हीं दो को समझाएं :-

- |           |                      |                 |
|-----------|----------------------|-----------------|
| क. अयनांश | ख. ग्रह का अस्त होना | ग. ऋतु परिवर्तन |
|-----------|----------------------|-----------------|

10. पंचांग पर विस्तार से चर्चा करें।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

## प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 6 जून 2009 को 11.30 रात्रि को हैदराबाद में जन्मे जातक के लिए लग्न व अन्य ग्रहों के भोगांशों की गणना करें।
2. रिक्त स्थान भरें :-
  - i यदि जन्मांग में चन्द्र का भोगांश 250:50 अंश है तो चन्द्र का नक्षत्र पद ----- है।
  - ii 360 औसत सौर दिवस वाले वर्ष को ----- कहते हैं।
  - iii यदि किसी जातक का जन्म इलाहाबाद में 10.30 प्रातः (भा.मा.स.) पर हुआ तो स्थानीय समय ----- होगा।
  - iv यदि बुध ग्रह किसी नवांश में उच्चतम बिन्दु पर है तो यह जन्मांग में ----- राशि में होगा।
  - v यदि चन्द्रमा मिथुन राशि में राहु के नक्षत्र में है तो वह ----- नक्षत्र में होगा।
  - vi ज्योतिष में जो ग्रह भचक्र की परिक्रमा न्यूनतम समय में करता है वह ग्रह ----- है।
  - vii चर भचक्र स्थिर भचक्र से प्रतिवर्ष ----- की दर से पीछे होता है।
  - viii हिन्दु मान्यता अनुसार किसी स्थान का सूर्योदय समय ----- कहलाता है।
  - ix 1 जनवरी 2009 को अयनांश का मान ----- था।
  - x क्रान्ति वृत्त को चन्द्रमा की परिक्रमा का पथ जहाँ काटता है, उन बिन्दुओं को ----- कहते हैं।
3. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
  - i मानक समय व स्थानीय समय
  - ii स्थिर भचक्र व चर भचक्र
  - iii जन्म नक्षत्र व जन्म राशि
4. निम्न जन्मांग के लिए सप्ताशं व नवांशं वर्ग कुण्डली बनाए। वर्गोत्तम ग्रहों के नाम लिखें।  
 लग्न वृश्चिक 17:19, सूर्य कुम्भ 25:41, चन्द्र धनु 8:12  
 मंगल मीन 29:04, बुध (व) मीन 9:45, गुरु मेष 23:55  
 शुक्र मेष 4:51, शनि (व) तुला 3:11, राहु मकर 18:32  
 (जन्म 10.3.1953, 00:10, आजमगढ़, उ०प्र०)

5. प्रश्न 4 के लिए शेष विशोत्तरी दशा की गणना करें व महादशा क्रम दें।

**भाग-II (फलित ज्योतिष)**

6. लग्न - कन्या 24:48, सूर्य - मिथुन 13:16, चन्द्र - मीन 10:33,

मंगल - मिथुन 13:32, बुध - मिथुन 27:40, गुरु - सिंह 20:06

शुक्र - सिंह 26:26, राहु - तुला 1:26

उपरोक्त जन्माग के आधार पर निम्न का उत्तर दें :-

- i किस ग्रह के कारण केमद्रुम नहीं बन रहा है?
- ii चन्द्रमा अपने मूल त्रिकोण से कितने घर दूर है?
- iii कौन सा पंच महापुरुष योग बन रहा है?
- iv भूमि तत्त्व राशियों में कौन से ग्रह हैं?
- v सूर्य व शनि में पंचधा मैत्री स्थिति क्या है?
- vi कौन से ग्रह स्वग्रही व उच्च के है?
- vii लग्न किस नक्षत्र पद में है?
- viii कालत्र कारक कहाँ स्थित है?
- ix मुख्य मारक ग्रह कौन से है?
- x उपचय स्थान में कौन से ग्रह हैं?

7. पंच महापुरुष योगों की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

8. किन्हीं चार के बारे में लिखें :-

- i मंगल
- ii सप्तम स्थान
- iii वृश्चिक राशि
- iv चन्द्रमा
- v पंचम स्थान

9. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-

- i सभी लग्नों के लिए बाधक स्थान व बाधक अधिपति
- ii केन्द्राधिपत्य दोष
- iii फलित में ग्रहों की अवस्था का उपयोग
- iv बालारिष्ट

10. कारण सहित, वृषभ व मिथुन लग्न के लिए शुभ व अशुभ ग्रह बताएं।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिष योग)

1. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i निर्धन योग    ii धन योग    iii राज योग
2. जन्मांग में केन्द्र स्थानों की महत्ता समझाएं। उदाहरण सहित व्याख्या करें।
3. निम्न कुण्डली में पाए गए किन्हीं पांच योगों पर चर्चा करें :-  
लग्न कर्क 3:50, सूर्य धनु 2:57, चन्द्र मेष 18:07,  
मंगल वृश्चिक 18:07, बुध धनु 12:41, गुरु(व) कर्क 00:07,  
शुक्र धनु 10:45, शनि(व) वृष 14:38, राहु सिंह 04:08  
(जन्म 18.12.1942, 20:22, गोरखपुर उ०प्र०)
4. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-  
i शुक्र की वृषभ और वृश्चिक में स्थिति  
ii शनि की मेष और तुला में स्थिति  
iii लक्ष्मी और सरस्वती योग
5. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i दशम भाव की महत्ता  
ii बृहस्पति के कर्क और मीन में स्थिति के सामान्य फल  
iii कहल योग

### भाग-II (दशा व गोचर)

6. किन्हीं दो को समझाएं।  
i गोचर में चन्द्रमा का महत्त्व  
ii शुक्र महादशा के सामान्य फल  
iii गोचर के फल किस प्रकार फलित होते हैं? वेध कब होता है?
7. गुरु ने 18.12.08 को धनु से मकर में गोचर किया। सभी 12 राशियों में जन्मे जातकों के सामान्य फल बताएं।
8. जन्म शनि, अष्टम शनि व अर्ध अष्टम शनि का सिंह राशि में जन्मे जातक पर होने वाले प्रभाव का विशलेषण करें।
9. विंशोत्तरी दशा पद्धति के मुख्य नियमों पर प्रकाश डालें।
10. विंशोत्तरी दशा पद्धति में सभी महादशाओं के सामान्य फलों पर चर्चा करें।

## भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

### प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. निम्न तथ्यों के आधार पर जातक की 67 वें वर्ष की वर्ष कुण्डली बनाएं :-  
जन्म दिन : 11 अक्टूबर 1942 (रविवार)  
जन्म स्थान : इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश  
जन्म समय : 16:04
2. प्रश्न 1 के लिए मुद्दा दशा की गणना करें। महादशा नाथों के सामान्य फल बताएं।
3. तीन प्रकार के इत्थसाल उदाहरण सहित समझाएं।
4. ताजिक दृष्टियों पर संक्षिप्त में लिखें। यह पराशरी दृष्टियों से किस प्रकार भिन्न है।
5. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-  
i लग्नेश  
ii वर्षेश  
iii हर्ष बल  
iv सहम

### भाग-II (मुहूर्त)

6. पंचांग से आप क्या समझते हैं? तिथियों का वर्गीकरण व योग क्या हैं?
7. किन्हीं तीन पर लिखें :-  
i ध्रुव नक्षत्र व उनका उपयोग  
ii चर नक्षत्र व उनका उपयोग  
iii जन्म से पूर्व के संस्कार  
iv भद्रा व उसकी महत्ता
8. विवाह के लिए मुहूर्त निर्धारण में किन मुख्य तथ्यों का ध्यान रखना पड़ता है?
9. निम्न के मुहूर्त निकालते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? (किन्हीं दो)  
i अन्नप्रारान  
ii गृह प्रवेश  
iii अक्षराभ्यास
10. पंचांग शुद्धि से आप क्या समझते हैं? रापथ ग्रहण के मुहूर्त निर्धारण के मुख्य नियमों की चर्चा करें।